इकाई-III

Date:- 16.05.2020

Topic:- भाषा सीखना: वाइगोत्स्की (Next Class)

आप अपने आस-पास ऐसे अनेक उदाहरण पाएंगे जिससे यह स्पष्ट होगा कि भाषा समाज में रहकर सीखी जाती है और अर्थ भी समाज और सामाजिक अंत:क्रिया से ही मिलते हैं। भाषा के संदर्भ में वाइगोत्स्की का विचार है कि बच्चों और युवाओं दोनों के लिए भाषा का प्रमुख प्रकार्य संप्रेषण, सामाजिक संपर्क स्थापित करना है। बच्चे की प्रारंभिक भाषा अनिवार्यत: सामाजिक होती है। प्रथमत: यह सार्वभौमिक और बहुप्रकार्यी होती है। परवर्ती स्थिति में इसके प्रकार्य विभेदीकृत हो जाते हैं। एक निश्चित आयु में बालक की सामाजिक भाषा अहमकेंद्रित और संप्रेषणपरक भाषा के दो फांकों में स्पष्टत: विभाजित हो जाती है।" (पियाजे ने जिसे सामाजिक भाषा कहा है उसे हम संप्रेषणपरक कहना अधिक पसंद करते हैं। सामाजिक कहने पर यह आभास होता है कि पहले कुछ और थी। हमारे दृष्टिकोण से संप्रेषणपरक और अहमकेंद्रित दोनों ही रूप प्रकार्य की दृष्टि से अलग होते हुए भी सामाजिक होते हैं)।" समाज से सीखी गई भाषा का उपयोग बच्चा स्वयं से बात करने हेतु कर सकता है। बच्चा अपने लिए भाषा का उपयोग करते समय अधूरे वाक्य बोल सकता है। "वाइगोत्स्की ने सुझाव दिया था कि जब कोई बच्चा छह या सात वर्ष की आयु में अपने लिए भाषा का प्रयोग करना बंद कर देता है तो इसका कारण यह होता है कि भाषा का आंतरिकीकरण है और अब उसका आंतरिक भाषा के रूप में प्रयोग जारी है।

बच्चे की गतिविधियों में अपने लिए भाषा या "अहमकेन्द्रित भाषा" महत्वपूर्ण भूमिका अदा करती है। चाहे वह कोई चित्र बना रहा हो, चीजों को उनकी सही संख्या से मिला रहा हो, ब्लॉक्स को रंगों के अनुसार व्यवस्थित कर रहा हो, खेल में बैलगाड़ी को हाँक रहा हो या किसी अपरिचित वस्तु का सामना कर रहा हो। बच्चा इस "अहमकेन्द्रित भाषा" के सहारे संप्रेषण को सुधारता है। उदाहरण के लिए कोई बच्चा खेल में डॉक्टर बनता है और डॉक्टर जिस सामग्री का प्रयोग करता है, वह भी उसका प्रयोग करने का "अभिनय" करता है और अपनी माँ को झूठ मूठ एक चम्मच में दवाई पिलाता है। यदि इस कार्य में यह सोचते हुए व्यवधान डाला जाए कि तुम सही दवाई नहीं दे रहे हो तो वह अपने क्रियाकलाप पर पुन: सोचना शुरू करेगा।

P.T.O

Scanned with CamScan